वार्तालाप नं.896, डैंटल (हरियाना), ता.6.12.09
Disc.CD No.896, dated 6.12.10 at Dental (Hariyana)

समयः 00.16–09.36
जिज्ञासु – बाबा भारत माता जंजीरों में जकड़ी हुई दिखाई गई है। क्यों?
बाबा – भारत माता। तो भारत माता जंजीरों में जखड़ी हुई दिखाई गई है। क्यों? ये प्रश्न करने के साथ–2 ये सोचें कि भारत माता कौन है और जगत माता कौन है? कौन है?
जिज्ञासु– छोटी माँ।
बाबा– छोटी माँ भारत माता और बड़ी माँ जगत माता। तो जो छोटी माँ भारत माता है वो एड़वान्स में है या बेसिक में है?
सभी – बेसिक में।
बाबा – सीढ़ी के चित्र में जो चित्र दिखाया है वो सारे ही चरित्र ब्राह्मणों की दुनिया के हैं या बाहर की दुनिया के हैं?
सभी – ब्राह्मणों की दुनिया के।

Time: 00.16-09.36
Student: Baba, Bharatmata (mother India) has been shown to be bound in chains. Why?
Baba: Bharatmata. Bharatmata has been shown to be bound in chains. Why? While raising this question you should think, who is Bharatmata and who is Jagatmata (mother of the world). Who are they?
Student: The junior mother.
Baba: The junior mother is Bharatmata and the senior mother is Jagatmata. So, is the junior mother who is Bharatmata, in the advance (party) or in the basic (party) (i.e. among BKs)?
Everyone: She is in the basic (party).
Baba: The depictions that have been shown in the picture of the Ladder, do they pertain to the world of Brahmins or the outside world?
Everyone: The world of Brahmins.

बाबा – उस बच्ची को ही बोलने दो ना। सीढ़ी के चित्र में जो भी चरित्र दिखाये गये हैं वो ब्राह्मणों के दुनिया के चरित्र हैं या बाहर के दुनिया के चरित्र हैं?
जिज्ञासु– ब्राह्मणों की दुनिया के।
बाबा – ब्राह्मणों के दुनिया के चरित्र हैं। उसमें रावण दिखाया गया है, जंजीरें फैलाए हुए है। तो वो रावण बेसिक में है या एड़वान्स में है अभी?
जिज्ञासु – बेसिक में है।
बाबा – बेसिक में है तो फिर क्यों पूछ रहे हैं? छोटी माँ बेसिक के कन्ट्रोल में है या एड़वान्स के कन्ट्रोल में है? किसके कन्ट्रोल में है?
सभी – बेसिक के कन्ट्रोल में है।

Baba: Let that (girl) child herself speak, will you not? Do all the depictions shown in the picture of the Ladder pertain to the world of Brahmins or to the outside world?
Student: To the world of Brahmins.
Baba: They are depictions of the world of Brahmins. Ravan is shown spreading his shackles in it. So, is that Ravan in the basic (party) or in the advance (party) now?
Student: He is in the basic (party).

Baba: If he is in the basic (party) then why are you asking [this question]? Is the junior mother in the control of the basic (party) or in the control of the advance (party)? Under whose control is she?
Everyone: She is under the control of the basic (party).

बाबा – तो राम के कन्ट्रोल में है या रावण के कन्ट्रोल में है? रावण के कन्ट्रोल में है और एक माता मन के अंदर प्रश्न चला रही है कि चलो छोटी माँ तो रावण के कन्ट्रोल में है फिर बड़ी माँ किसके कन्ट्रोल में है? अरे, बड़ी माँ निंबंधन है, जंजीरों से बाहर है, हथकड़ी बेड़ियों से बाहर है या बंधन में है?
सभी – बाहर है।
बाबा – बाहर है? उसको बंधन नहीं है कोई? नहीं बंधन है? अरे, उसको पता नहीं है शायद। पता है? अरे, बड़ी माँ को बंधन है या नहीं है? पता है? अरे, हाँ, ना कुछ बोल दो, कुछ भी बोल दो क्या अंतर पड़ता है? बोलो।
जिज्ञासु– है।

Baba: So, is she under the control of Ram or under the control of Ravan? She is under the control of Ravan and a mother is creating a question in her mind that alright, the junior mother is under the control of Ravan, then under whose control is the senior mother? Arey, is the senior mother free from bondages, free from handcuffs and chains (*hathkari beri*) or is she in bondage?
Everyone: She is free.
Baba: Is she free? Does she not have any kind of bondage? Does she not have bondage? Arey, perhaps she does not know. Do you know? Arey, does the senior mother have bondage or not? Do you know? Arey, say 'yes' or 'no'. Say something; does it make any difference? Speak up.
Student: She is [under bondage].

बाबा – उसको भी बंधन है; तो बड़ी माँ भी बंधन में है, छोटी माँ भी बंधन में है। छोटी माँ को बंधन है बेसिक ब्राह्मणों का; फिर बड़ी माँ को किसका बंधन है? दुनियावालों का बंधन है, बेसिक वालों का बंधन है या एड़वान्स वालों का बंधन है?
जिज्ञासु– बेसिक वालों का।
बाबा – बेसिक वालों का बड़ी माँ को भी बंधन है? कोई माता बोलना चाहती है, बोलती नहीं।
जिज्ञासु– आसुरी बच्चों का।
बाबा – आसुरी बच्चों (का)? माना बेसिक में भी बच्चे हैं और एड़वान्स में भी बच्चे हैं। बेसिक में जो बच्चे हैं वो नाबालिग हैं और एड़वान्स में जो बच्चे हैं वो बालिग हैं। कौनसे बच्चों के बंधन में हैं?
सभी – बेसिक के।
बाबा – बड़ी माँ भी बेसिक के बंधन में है। ऐसे कैसे? अभी तक कोई देखा कि दुनिया से निकला हुआ कोई भक्त आत्मा बी.के. बन गया हो और बी.के. ज्ञान को पक्का–2 समझ लिया हो, सरेण्ड़र हो गया हो, तन–मन–धन अपना अर्पण कर दिया हो बेसिक में फिर उसके बाद कोई बेसिक को छोड़कर के दुनिया वालों के बंधन में गया? गया कोई? कोई नहीं गया। दुनिया वालों में इतनी ताकत ही नहीं जो बेसिक ज्ञान एक बार सुन ले उनको अपने बंधन में बांधकर के रख सके। तो बेसिक वाले ज्यादा पॉवरफुल हुए या दुनिया वाले ज्यादा पॉवरफुल हुए? बेसिक वाले ज्यादा पॉवरफुल हो गये।

Baba: She is also under bondage; so, the senior mother as well as the junior mother is in bondage. The junior mother is under the bondage of the basic Brahmins; then under whose bondage is the senior mother? Is she under the bondage of the people of the world, under the bondage of those who follow the basic knowledge or under the bondage of those who follow the advance knowledge?
Student: [She is under the bondage of] those who follow the basic knowledge.
Baba: Does the senior mother also have bondage of those who follow the basic knowledge? A mother wants to say something but does not say it.
Student: [She is under the bondage of] the demoniac children.
Baba: The demoniac children? It means that there are children in the basic (knowledge) as well as in the advance (knowledge). The children in the basic (knowledge) are immature (*naabaalig*) and the children in the advance (knowledge) are mature (*baalig*). She (i.e. the senior mother) is under the bondage of which children? The senior mother is also under the bondage of the basic (party)! How is it possible? Have you seen any such case so far that a devotee soul who has emerged from the [outside] world and become a BK, who has understood the BK knowledge thoroughly and has surrendered, dedicated his body, mind and wealth in the basic knowledge and then left the basic knowledge and gone under the bondage of the people of the world? Has anyone gone [in the bondage of the people of the outside world]? No one has gone. There is no power in the people of the world at all that they can control someone who has listened to the basic knowledge once. So, are those following the basic knowledge (i.e. BKs) more powerful or the people of the world more powerful? Those following the basic knowledge are more powerful.

ऐसे ही बेसिक ब्राहमणों की दुनिया में से निकल कर के जो एड़वान्स में आ गये, एड़वान्स ब्राहमणों की दुनिया में आ गये वो बालिग बुद्धि, ज्ञानी तु आत्मा मुझे प्रिय है उन बच्चों को दुनिया वाले तो छोड़ो, बेसिक वाले भी बांध नहीं सकते। बांध सकते हैं क्या? बांध ही नहीं सकते। अगर बांध के रखे भी तो रोज–2 रोजमर्रे की बाते जो सुनने को मिलेगी कानों से, उनके कान बेहरे हो जायेंगे वो फूटी ऑख से उनको देखने की इच्छा नहीं रखेंगे। उनमें इतनी ताकत ही नहीं हैं जो एड़वान्स में एक बार चला जाये, सरेण्ड़र हो जाये फिर उसको अपने अंदर समा के रख सके इतनी कमजोर आत्मायें हैं। कौन? बेसिक वाले और बेसिक के मुकाबले दुनियावाले? वो तो और ही कमजोर हैं। तो ये संभव है? कि बड़ी माँ जगदम्बा जो जगतपिता के साथ रही हो वर्षों तक, जिसने जगतपिता के साथ लम्बे समय तक मिलन मेला मनाया हो, संग का रंग लिया हो और फिर वो इतनी कमजोर हो जाये कि बेसिक वालों के चक्कर में फंस जाये? बेसिक वाले उसको कन्ट्रोल कर लें ऐसा हो सकता है?
सभी – नहीं हो सकता।

Similarly, those who came out of the world of basic Brahmins into the advance (party); into the world of advance Brahmins; such mature knowledgeable souls are dear to me. Leave the people of the world alone, even those who follow the basic knowledge cannot bind those children. Can they bind them? They cannot bind them at all. Even if they keep them bound, they will become deaf hearing those issues (of advance knowledge) daily through their ears. They will not like to see them at all through their crooked vision. They do not have the power to keep under their control someone who joins the advance (party) once, someone who surrenders [himself]. They are such weak souls. Who? Those who follow the basic knowledge. And when compared to those who follow the basic knowledge, the people of the world are much weaker. So, is it possible that the senior mother Jagdamba, who has lived with Jagatpita (world father) for so many years, the one who has enjoyed the meeting with

the world father for such a long period, the one who has been coloured by his company, becomes so weak that she becomes entangled by those who follow the basic knowledge? Can it be possible that those who follow the basic knowledge take her under their control?
Student: It cannot be possible.

बाबा – फिर कैसे कह दिया तुमने? हाँ? तुम्हारे प्रश्न का समाधान हुआ? क्या, क्या था तुम्हारा प्रश्न एक बार और रिवाईज करो। भारत माता को जंजीरों में जकड़ा हुआ दिखाया जाता है। क्यों? चित्र बनाते हैं चित्रकार, चित्रकारों की बुद्धि में जो बातें आती हैं वो कहाँ की बातें आ रही हैं? कहाँ की यादगार हैं वो सब? वर्तमान संगमयुग की यादगार हैं। संगमयुग में भारत माता, खास भारतवासियों की माता जो भारतवासी सतयुग में भी भारतवासी हैं, त्रेता में भी भारतवासी हैं, द्वापर में भी भारतवासी हैं और कलियुग में भी भारतवासी हैं ऐसे भारतवासियों की माता है, वो माता भी बंधन में जकड़ी हुई है। किसके बंधन में बंधी हुई है?
जिज्ञासु – रामवाली आत्मा के।
बाबा – रामवाली आत्मा के? रावण के बंधन में बंधी हुई है जो सीढ़ी के चित्र में चित्र दिखाया है कि रावण ने अपनी जंजीरे पूरे भारत में फैलाई हुई हैं। भारत माता जंजीरों में जकड़ी हुई है।

Baba: Then how did you say this? Yes, anything else? Did you get a reply to your question? What was your question? Revise your question once again. Mother India is shown to be bound in chains. Why? Artists paint pictures; from where are the artists getting ideas in the intellect? All these are memorials of which time? They are memorials of the present Confluence Age. In the Confluence Age, the Mother India, the mother of especially the Indians, those who are Indians in the Golden Age as well as the Silver Age, in the Copper Age as well as the Iron Age, she is mother of such Indians. That mother is also in bondage. Under whose bondage is she?
Student: Of the soul of Ram.
Baba: Of the soul of Ram? She is in the bondage of Ravan, as shown in the picture of the Ladder, that Ravan has spread his shackles in entire India. Mother India is bound in chains.

समय: 09.41–14.55
जिज्ञासु – बाबा एक अव्यक्त वाणी में ड़बल विदेशियों की विशेषता बताई कि एक तो वो कॉन्सफ्रेशन करना पसंद करते हैं और दूसरा उन्हें ड़बल ब्रेड़ खानी पसंद है। बाबा इसका बेहद में क्या अर्थ है?
बाबा – मतलब ये है – बाबा ने तो कहा सिर्फ ड़बल ब्रेड़ ही खाना पसंद करते हैं। इसका मतलब ये हुआ – एक तो होता है पीना और एक होता है चबा–चबा के खाना। पीना होता वो है ज्ञान। पीना क्या है? ज्ञान। और खाना क्या है?
जिज्ञासु – याद।
बाबा – हिंदी में कहते हैं उसे रोटी। क्या कहते हैं? रो और टी। हाँ, वो ऐसी है वो चैतन्य रोटी है लेकिन ऐसी है अगर पक्की भारतीय है रोटी, क्या? विदेशी नहीं है, विदेशी तो बचपन में ही अपवित्र होना शुरू हो जाते हैं। अगर पक्की रोटी है, भारतीय पवित्र रोटी है तो जब खाया जायेगा तो पहले रोयेगी। बाद में टी की तरह चुसकी मार–मार के भल पीये उसका नाम पड़ गया रोटी और विदेशियों में नाम क्या दिया? ड़बल रोटी माना एक रोटी नहीं है। एक जगह रोटी बनती है फिर दूसरे जगह रोटी बनती है। कम से कम दो शादियां जरूर करें तो ड़बल ब्रेड़। फिर ज्यादा तो चाहे जितनी, त्रिपल ब्रेड़, फोर्थल ब्रेड़। वो कितनी

भी हो। माना विदेशी जो होंगे वो कम से कम कितने शादियां करे? दो। दो शादियां करे तो ड़बल रोटी। हाँ, क्या प्रश्न था?

Time: 09.41-14.55

Student: Baba, it has been mentioned in an Avyakta Vani that the specialty of the double foreigners is that firstly they like to organize conference and secondly they like to eat double bread, Baba, what does it mean in an unlimited sense?

Baba: It means, Baba has said that they like to eat only double bread; it means, one is to drink and one is to chew properly and eat something. The thing that you drink is knowledge. What do you have to drink? Knowledge. And do you have to eat?

Student: Remembrance.

Baba: It is called *Roti* in Hindi. What is it called? *Ro* and *ti*. Yes, it is such… it is a living *roti*, but if it is a firm Indian, *roti*; what? If it is not a foreigner; foreigners start becoming impure since their childhood itself. If the *roti* is firm, if it is a pure Indian *roti*, then when it is eaten, it will initially cry (*ro-yegi*). Later on one may drink it sip by sip like tea (*ti*); so it was named *roti*. And what did the foreigners name it? Double *roti*, i.e. it is not a single *roti*. [First]*roti* (i.e. bread) is prepared at one place and then *roti* is prepared at another place. They should marry at least twice; then it becomes double bread. The maximum number is according to their wish; it can be triple bread, four breads. It could be any number. It means that the foreigners will marry at least how many times? Twice. If they marry twice, it is double *roti*. Yes, what was your question?

जिज्ञासु– ड़बल विदेशियों की विशेषता।
बाबा – ड़बल विदेशियों की विशेषता बताई कि वो ड़बल रोटी पसंद करते हैं, क्या? सिंगल रोटी पसंद नहीं करेंगे। जिंदगी उन्हें जीना है तो जिंदगी में कम से कम ड़बल रोटी उन्हें जरूर चाहिए।
जिज्ञासु– बाबा कॉन्फ्रेन्स?
बाबा – कॉन्फ्रेन्स। कान में फुर्र अंश छोड़ दिया। क्या? जैसे एड़वान्स में लोग आते हैं, ज्ञान सुनते हैं और बेसिक में भी आते हैं, ज्ञान सुनते हैं लेकिन बेसिक में उन्हें बहुत मेहनत करनी पड़ती हैं ढ़ेरों पैसा खर्च करना पड़ता है। कॉन्फ्रेन्स करें, कि हम मेले करें, मेगा प्रोग्राम करें और ये क्या नाम प्रदर्शनी लगायें, बड़े–2 म्युजियम खोलें कितना मेहनत करनी पड़ती है। इतनी मेहनत करने के बाद फिर कहीं दो–चार आत्मायें निकल आती हैं। ऐसे होता हैं ना? तो ऐसी आत्माओं को भी एड़वान्स वाले आराम से उठा ले जाते हैं। मेहनत कुछ भी नहीं करते, पैसा कुछ भी नहीं खर्च करते। न तन की भागदौड़, न मन की भागदौड़ ऐसे ही ढेर के ढेर वहां निकलते चले जा रहे हैं तो बेसिक वाले कुछ सोचेंगे कि नहीं? क्या?
जिज्ञासु – सोचेंगे।
बाबा – आपका समाधान हो गया? क्या हो गया?

Student: The specialty of the double foreigners.

Baba: The specialty of the double foreigners was mentioned that they like double *roties*; what? They will not like single *roti*. If they have to live, they need at least double *roti* .

Student: Baba, conference?

Baba: Conference. A trace (*ansh*) was (*furr*) blown into the ear (*kaan*); what? For example, people come to the advance (party), they listen to the knowledge and they go to the basic (party) as well, they listen to the knowledge, but they have to work very hard in the basic (party); they have to spend a lot of money. [Thinking:] We must organize conferences, fairs,

mega programmes [we must] organize… what do you call it?... exhibitions; open museums; they have to work so hard. After working so hard, two-four souls emerge; it happens like this, doesn't it? So, those who belong to the advance party carry away even such souls easily. They do not make any effort; they do not spend any money; neither do they run around physically; nor do they work hard mentally; simply numerous people are emerging (in knowledge) there (in the advance party); so, will those who follow the basic knowledge think something or not? What?
Student: They will think.
Baba: Did you get the solution? What?

जिज्ञासु– कॉन्फ्रेन्स और ड़बल ब्रेड़ क्या?
बाबा – हाँ, वो जब देखते हैं कि ढेरों निकल रहे हैं और हमारे रोकने पर भी रूकते नहीं हैं तो कुछ न कुछ तो ग्लानि का इन्जेक्शन लगाना पड़े ना? तो इसलिए एक–2 को बुलायेंगे, सब के सामने तो ग्लानि की बात सुनाय नहीं सकते। तो एक–2 को बुलायेंगे और उसके कान में फुस... मंत्र फुकेंगे ग्लानी का। अरे, वो ऐसा–2 करता हैं, अरे कहाँ मरी हो जाकर के। तुम्हारी बहू, बेटी का सत्यानाश कर देगा। बस, कान में फुर्र किया और ग्लानि का अंश छोड़ा और वो आत्मा नमस्कार कर लेती है कि भइया, दूसरों को सुनाओ, हमको नहीं सुनाना। वो कॉन्फ्रेन्स किये बिगर रह नहीं सकते। उनके पास कॉन्फ्रेन्स के अलावा कोई दूसरा तरीका, साधन ही नहीं हैं।

Student: What is conference and double bread?
Baba: Yes, when they see that numerous people are emerging and they are not stopping despite being stopped by them, then they will have to inject the injection of defamation to some extent or the other, will they not? This is why they call them one by one; they cannot narrate topics of defamation in front of everyone; so, they call them individually and they whisper the mantra of defamation in their ears. [They say:] "Arey, he does like this and like that. Arey, where are you going to die? He will spoil your daughters-in-law and daughters". That is all; they whispered in their ear and left the trace of defamation and that soul folds his hands (in front of the PBKs) [saying:] "Brother narrate (your advance knowledge) to others; do not narrate it to me". They cannot live without organizing conference. They have no other way, no method other than conference.

समयः 14.59–22.28
जिज्ञासु – बाबा जो मुरली में जो पॉइन्ट आता है कि ये धोबीघाट यज्ञ के आदि से ही चलता चला आया। इसका क्या अर्थ है?
बाबा – अरे, शिवबाबा धोबी है कि नहीं?
किसीने कहा – है।
बाबा– अरे, आप क्यों बीच में बोल देते हैं? शिवबाबा धोबी है, धोबी है? है ना? उसका गधा भी कोई होगा? शिवबाबा धोबी है तो उसका कोई गधा होगा कि नहीं होगा?
जिज्ञासु – होगा।
बाबा– कौन है? अरे, इस बिचारी को बोलने दो ना। शिवबाबा धोबी है तो उसका गधा कौन है?
जिज्ञासु – ब्रह्मा
बाबा – ब्रह्मबाबा गधा है। फोटो खींचो अच्छी तरह से ब्रह्माकुमारियां देखे। अच्छा ब्रह्माबाबा गधा है। तो गधे की पीठ पर 100,200,400 कपड़े लादे गये होंगे। धोबी क्या करता है, गधे को किस यूज में लेता है? 100,200,400 कपड़े उसके पीठ पर लाद देता है और लाद के

कहाँ ले जाता है? धोबी घाट। यज्ञ के आदि से ही ये धोबी घाट चलता चला आया है। क्या? वो धोबी यज्ञ के आदि से ही उन कपड़ों को धो रहा है और कपड़ा किसे कहा जाता है?
जिज्ञासु – शरीर रूपी कपड़े।

Time: 14.59-22.28
Student: Baba, a point is mentioned in the Murlis that this laundry (*dhobighat*) has been functioning since the beginning of the yagya itself. What does it mean?
Baba: Arey, is Shivbaba a washerman or not?
Someone said: He is.
Baba: Arey, why do you speak in between? (To the student who asked the question :) Is Shivbaba a washerman? He is, isn't He? He must have a donkey (used for carrying dirty clothes) too. If Shivbaba is a washerman, will he have a donkey or not?
Student: He will have.
Baba: Who is he? (Someone said something.) Arey, let that poor one (girl) speak, will you not? If Shivbaba is a washerman, who is His donkey?
Student: Brahma .
Baba: Brahma Baba is the donkey. Click her photograph nicely so that the Brahmakumaris can see☺. OK, if Brahma Baba is the donkey, then 100,200,400 clothes must have been put on the donkey's back. What does a washerman do? How does he use his donkey? He loads 100,200,400 clothes on its back and after loading the clothes (on its back) where does he take it? To the laundry (*dhobighat*). This laundry has been functioning since the beginning of the *yagya*. What? That washerman has been washing those clothes from the beginning of the *yagya* itself and what is meant by clothes?
Student: Cloth like bodies.

बाबा – कितने कपड़े थे यज्ञ के आदि में ज्यादा से ज्यादा? 300,400 कपड़े थे। वो 300,400 कपड़े गधे की पीठ पर लादकर के अब तक 68 तक कहाँ तक पहुँचाये? कहाँ तक पहुँचाये? ऐसे धोबी घाट तक पहुंचाये जिस धोबी घाट में प्रसिद्ध हैं गंगा में सबसे ज्यादा कपड़े धोये जाते हैं और जो पुरानी गंगा हैं; क्या? उसे कहते हैं बूढी गंगा। गंगा जहाँ बहती रहती हैं, लम्बे समय तक बहने के बाद गहरे–2 कुंड बनाय देती हैं, गहरे–2 कुंड और फिर बाद में छोड़कर के दूसरी जगह 2–5 किलोमीटर दूर चली जाती हैं तो कम्पिल में ऐसे ही हैं। बूढ़ी गंगा भी है जहॉ गड्ढे बने हुए हैं उनमें पानी भर जाता है, जब गंगा बाढ़ पे आती हैं तब। बाकी 2–4 किलोमीटर दूर जाके बहती है। तो जिन गड्ढों में पानी भर जाता है वहां धोबी ले जाके अपना घाट, घाट बनाए देते हैं। फर्रुखाबाद में जो धोबी हैं वो भी उन धोबियों में एक धोबी है जो द्रौपदी कुंड़ के किनारे उसकी मठिया बनी हुई है उसका नाम है कपिलमुनि। क्या नाम दिया है? कपिलमुनि। जिनके नाम पर कम्पिल नगरी बसाई गई। क्या? कम्पिल नगरी। धोबी ज्यादातर अपना धंधा कहाँ करता है? घाट पर ही करता हैं। घाट के किनारे उनकी मटिया, मंदिर बना हुआ था। अभी तो वो मंदिर भी टूट गया। क्या? काम पूरा हो गया होगा तो मंदिर टूट गया। जब काम चल रहा था तेजी से कम्पिल में तो वो मंदिर भी बना हुआ खड़ा था। तो वो 300,400 कपड़े जो हैं पहले भी धोये गये और अभी भी धोये जाने का काम चल रहा है और धोने वाला कौन है?
जिज्ञासु– शिवबाबा।

Baba: What was the maximum number of clothes in the beginning of the *yagya*? There were 300-400 clothes. Those 300-400 clothes were put on the back of the donkey and brought to which place till now, i.e. by (19)68? Till where were they brought? They were brought to such a laundry about which it is famous that maximum number of clothes are washed in the river Ganga (the Ganges). And as regards the old Ganga; what? It is called '*burhi Ganga'* (the aged Ganga). The place where the river Ganga keeps flowing, after flowing through that place for a long time, it creates deep pits; then later on it changes its course and goes 2-5 kilometers away; so, it is a similar case in Kampil. There is an old Ganga too, where there are pits; they are filled with water when Ganga is flooded. As for the rest it flows 2-4 kilometers away. So, the pits which are filled with water; the washermen make it their laundry (*dhobighats*). Among those washermen of Farrukhabad, there is a washerman who has set his hut (*matiya*) near Draupadi Kund (at Kampil village) and his name is Kapil *Muni* (sage Kapil of Hindu mythology fame). What is the name coined? Kapil *Muni*. The town Kampil was established on his name. What? The Kampil town. Where does a washerman practice his occupation more? He practices it on the *ghat* (riverbank) only. His home, temple was built on the banks of that *ghat*. Now that temple is ruined. What? The task must have finished, so the temple was ruined. When the task was going on at a fast pace at Kampil, that temple was also standing. So, those 300-400 clothes were washed in the past too and even now the task of washing is going on; and who is the washerman?
Student: Shivbaba.

बाबा – शिवबाबा तो है उसका दूसरा नाम क्या पड़ा? कपिलमुनि। 68 में जब ब्रह्माबाबा ने शरीर छोड़ा तो वो काम किसी को सौंपा होगा कि नहीं सौंपा होगा?
जिज्ञासु – सौंपा।
बाबा – किसको सौंपा? कपिलमुनि को सौंपा गया और कपिलमुनि ने अपना घाट मजबूत बनाए दिया और ढ़ेर के ढ़ेर कपड़े वहाँ से निकले। कहाँ से? जहाँ 300,400 का ज़खीरा था और वो कपड़े तैयार हो गये। 300,400 ही बनेंगे या संख्या बढ़ेगी उनकी? संख्या तो जरूर बढ़ेगी । कितनी बढ़ेगी? वो संख्या कितनी बढ़ेगी, बढ़ते–2 कितनी संख्या हो जायेगी? साढ़े चार लाख कपड़े धुलने हैं। धोबी जब कपड़े धोते हैं तो भट्ठी चढ़ाते हैं, क्या?
जिज्ञासु – भट्ठी चढ़ाते हैं।
बाबा – हाँ, भट्ठी में ड़ालने से पहले कपड़ों को खूब अच्छी तरह, खेत में से गंदी मिट्टी लाते हैं, देहअभिमान की मिट्टी और उसमें खूब अच्छी तरह उनको लिथेड़ते हैं और फिर लिथेड़ने के बाद फिर भट्ठी में चढ़ा देते हैं। भट्ठी में से निकालने के बाद फिर गधे के ऊपर लादकर कहाँ ले जाते हैं? घाट पर ले जाते हैं। वहाँ धोबी फिर धोता हैं और खासकर के वहाँ के धोबी धोते जाते हैं और मंत्र जपते जाते हैं, क्या? अगर मंत्र न जपे तो फिर वो कपड़े धुलेंगे नहीं। उनका मंत्र हैं छी, ओ राम–छी, ओ राम। वो कपड़े धोने का काम अभी भीं जाकर के वहा देख सकते हैं। वो यादगार है इस समय की।

Baba: It is no doubt Shivbaba. But what is the other name he got? Kapil Muni. When Brahma Baba left his body in (19)68, had he entrusted his task to someone or not?
Student: He entrusted it.
Baba: Whom did he entrust it to? He entrusted it to Kapil Muni. And Kapil Muni strengthened his *ghat* and numerous clothes emerged from there. From where? The place where there was a gathering of 300-400 people and those clothes got ready. Will it remain only 300-400 or will their number increase? Their number will certainly increase. How much will it increase? How much will that number increase to? It will increase and reach what

number? Four fifty thousand clothes are to be washed. When dhobis wash their clothes, they raise a furnace (*bhatti*). What?
Student: They raise a furnace.
Baba: Yes, before putting the clothes in the furnace, the clothes are properly… they bring mud from fields, the mud of body consciousness and they mix them properly in it and after mixing they put them in the furnace. After removing from the furnace, they load them on the donkey and then where do they take them? They take them to the *ghat* (river banks). There the *dhobi* washes them and especially the *dhobis* of that place chant a *mantra* while washing the clothes; what? If they do not chant the *mantra*, those clothes will not be washed. Their *mantra* is '*chi, O Ram, chi, O Ram'*. You can go and see them washing clothes even now. That memorial is of this time.

कपड़े धुल रहे हैं, कपड़े धुल जायेंगे फिर काम खत्म हो जायेगा। तो 300,400 जो कपड़े थे आदि में वो अंत में कितने हो जायेंगे? साढ़े चार लाख। माउन्ट आबू तक वापस जब पहुँचेंगे धुलकर के तो कितने होंगे टोटल? साढ़े चार लाख कपड़े होंगे। सारे ही धुले हुए वस्त्र होंगे। ऐसे धुले हुए होंगे कि उनकी बुद्धि रूपी जो आत्मा है, स्टार आत्मा वो वहाँ एकाग्र हो कर के टिकेगी और इतनी बैठे–2 सर्विस करेगी, वायब्रेशन के आधार पर कि सारी दुनिया की मनुष्यात्मायें उनकी बुद्धि खिंचकर के कहाँ पहुँचेगी? दुनिया का जो बड़े ते बड़ा तीर्थ साबित होगा, माउन्ट आबू में सारी दुनिया की बुद्धि धरी हुई होगी। तो प्रश्न क्या था तुम्हारा?
जिज्ञासु – ये धोबीघाट यज्ञ के आदि से ही चलता चला आया?
बाबा – तो चली आई कि नहीं चली आई?
जिज्ञासु ने कुछ कहा।
बाबा – हाँ। वो पूछ रही है। नहीं मालूम है तो पूछना पड़ता है, जिनको मालूम है उनको तो पूछने की दरकार है ही नहीं।

Clothes are being washed; when the clothes are washed the task will come to an end. So, the 300-400 clothes which were present in the beginning will [increase to] what number in the end? Four fifty thousand. When they are washed and when they return to Mount Abu, what will be their total number? There will be four fifty thousandclothes. All of them will be washed clothes. They will be washed in such a way that their intellect-like soul, their star soul will be focused there and while sitting there they will do such service on the basis of vibrations that the intellect of the human souls of the entire world will be pulled to which place? The place which will prove to be the greatest pilgrimage center of the world, the intellect of the entire world will be focused in Mount Abu. So, what was your question?
Student: This *dhobighat* continued from the beginning of the *yagya* itself.
Baba: Has it continued or not?
Student said something.
Baba: Yes, she is asking. If someone does not know, he has to ask. Those who know need not ask.

समयः 22.31–26.06
जिज्ञासु – बाबा राम, रावण कब बनता है और कैसे?
बाबा – राम, रावण कब बनता है? राम असली राम कब बनता है? उसके राम बनने का टाईम होगा कि नहीं होगा? कौनसा टाईम होता जब राम बनता है शुरू में?
जिज्ञासु– सम्पन्न स्टेज जब बनती है।

बाबा –कब?
जिज्ञासु ने कुछ कहा।
बाबा – एकदम जब नई दुनिया तैयार होती है, पहली पारवारिक इकाई तैयार होती है उस पहली पारवारिक इकाई में कन्ट्रोलर कौन होगा? राम होगा। पहला नंबर ब्राहमण सो पहला नंबर देवता। तो सृष्टि के एकदम आदि में, नई सृष्टि के आदि में राम, राम है। तो रावण कब बनेगा? अरे, सीधी सी बात एकदम आदि में राम है तो रावण कब बनेगा? एकदम अंत में रावण बनेगा।

Time: 22.31-26.06
Student: Baba, when does Ram become Ravan?
Baba: When does Ram become Ravan? When does Ram become a true Ram? Will there be a time for his becoming Ram or not? Which is the time when he becomes Ram, in the beginning?
Student: When he attains the complete stage.
Baba: When?
Student said something.
Baba: When the completely new world is ready, when the first family unit is ready, who will be the controller of that first family unit? It will be Ram. The number one Brahmin becomes the number one deity. So, at the very beginning of the world, in the beginning of the new world Ram is Ram. So, when will he become Ravan? Arey, it is so simple, when he is Ram in the very beginning, when will he become Ravan? He will become Ravan in the very end.

जब वो सात दिन का विनाश होगा, मूसलाधार बरसात होगी, क्या? बरसात होने से पहले धाड़–3 एटम बॉम्ब फटेंगे। बड़े–2 भूड़ौल आयेंगे, भूकंप आयेंगे और सारी पृथ्वी, सारी पृथ्वी ड़ोलायमान होगी, ड़ोलायमान होने के साथ–2 बड़े–2 ज्वालामुखी फूटेंगे। जब भूकंप आते हैं तो ज्वालामुखी फूटते हैं कि नहीं? तो चारों तरफ आग ही आग उगल रही होगी पृथ्वी और समंदर का पानी ख़ौलेगा माना बॉईल होने लगेगा। तो भाप ढ़ेर की ढ़ेर उपर आसमान में उड़ेगी। लम्बे समय तक बरसात होगी और वो ज्वालामुखी सब क्या हो जायेंगे? शांत हो जायेंगे। उस समय पॉवरफुल आत्मायें बचेगी या लुंजुम–पुंजुम सब बची रहेगी? क्या? जो पॉवरफुल आत्मायें होंगी वही बचेंगी। तो दुनिया में जितनी आसुरी आत्मायें हैं उन आसुरी आत्माओं से टक्कर लेनेवाला कौन होगा? क्योंकि जो आत्मा जितने अंत में इस सृष्टि पर उतरेगी उतनी ही ज्यादा बड़ी असुर होगी। क्या? जो जितनी आदि में उतरेगी उतनी ही देवत्वमई, देव आत्मा होगी, दिव्य आत्मा और जितनी अंत में उतरेगी उतनी आसुरी आत्मा। तो अंत में जो आसुरी आत्माओं का ज़खीरा उतरेगा, लास्ट पूर्व, उनको कन्ट्रोल कौन करेगा? जो आदि में उतरे होंगे वही कन्ट्रोल कर पायेंगे, दूसरे कोई कन्ट्रोल करने की ताकत होगी नहीं। तो राम ही रावण बनेगा।

When the destruction takes place for seven days, when there will be torrential rains; what? Before the rainfall atom bombs will explode…. Big earthquakes will occur and the entire earth will shake; when it shakes big volcanoes will erupt. When earthquakes occur do volcanoes erupt or not? So, the Earth will be emitting fire in all the directions and the water of the oceans will start boiling. So, a lot of vapour will rise towards the sky. There will be rains for a long time and what will happen to all those volcanoes? They will become calm. At that time will powerful souls survive or will all the weak ones survive? What? Only the powerful souls will survive. So, who will clash with all the demonic souls of the world? Because the later a soul descends on this world (from the Supreme Abode), the greater demon

it will be. What? The earlier a soul descends, the greater deity, divine soul it will be. And the later it descends the more demonic that soul will be. So, the group of demonic souls that will descend in the end, just before the end, who will control them? Only those who might have descended in the beginning will be able to control them, others will not have the power to control them at all. So, Ram himself will become Ravan.

समयः 26.10–38.30
जिज्ञासु –बाबा झाँसी की रानी इस जन्म में कहाँ है बेहद में?
बाबा – झाँसी की रानी इस जन्म में कहाँ है? झाँसी की रानी ने किस से टक्कर ली? अंग्रेजों से टक्कर ली और कौनसे युग में और कौनसे युग में कौनसे हिस्से में टक्कर ली? कौनसे युग में टक्कर ली? अरे, हिस्ट्री नहीं मालूम? कलियुग में और कलियुग के भी अंतिम चरण में। जब कलियुग के 100–200 साल बचते हैं उस अंतिम चरण में झाँसी की रानी ने अंग्रेजो से टक्कर ली और वो टक्कर लेने वाली आत्मा उसने राजाई की या नहीं की? अरे, उसने राजाई की या नहीं की? (किसीने कहा– नहीं की।) नहीं की? राजाई भी की। तो जब राजाई की तो राजाओं की लिस्ट में होगी या नहीं होगी?
जिज्ञासु – होगी।
बाबा– राजाओं की लिस्ट में आनेवाले बाप के ज्ञानी तु आत्मा बच्चे होंगे या अज्ञानी तु आत्मा बच्चे होंगे?
जिज्ञासु – ज्ञानी तु आत्मा ।
बाबा– आखरी जन्म में भी उन ज्ञानी तु आत्मा बच्चों के बीच में बड़ी पॉवरफुल आत्मा है जो अग्रेंजों से भी टक्कर ले लेती है। कौनसी माला का मणका होगी?
जिज्ञासु– रूद्रमाला।
बाबा– रूद्रमाला का मणका होगी। विजयमाला का मणका तो ऐसा काम कर ही नहीं सकता और भक्त माला का मणका तो सवाल ही पैदा नहीं होता। तो नहीं समझ में आया, कौन?
जिज्ञासु – बड़ी मम्मी।

Time: 26.10-38.30
Student: Baba, where is the queen of Jhansi in an unlimited sense in this birth?
Baba: Where is the queen of Jhansi in this birth? With whom did the queen of Jhansi clash? She clashed with the Britishers and in which age, in which part of which age did she confront them? In which age did she clash with them? Arey, don't you know the history? In the Iron Age and even in that, in the last phase of the Iron Age.; the queen of Jhansi clashed with the Britishers in that last phase when 100-200 years remain out of the Iron Age and did that soul which clashed (with Britishers) rule or not? Arey, did she rule or not? Did she not? She did rule. So, when she ruled, will she be in the list of rulers or not?
Student: She will be.
Baba: Will the souls who are included in the list of kings be knowledgeable children or ignorant children of the Father?
Student: They will be knowledgeable children.
Baba: Even in the last birth, in the midst of those knowledgeable children there is a very powerful soul who clashes with the Britishers too. She will be a bead of which rosary?
Student: The rosary of Rudra (*rudramala*).
Baba: She will be a bead of the rosary of Rudra. A bead of the rosary of victory (*vijaymala*) cannot do such a task at all and there is no question of a bead of the rosary of devotees (*bhaktmala*) doing that at all; so, did you not understand, who is it?
Student: The senior mother (*bari mummy*).

बाबा – बड़ी मम्मी? अच्छा, और कोई दूसरी आत्मा हो तो? देखो, झाँसी की रानी ने राज्य कहाँ किया था? अपने अंतिम जन्म के चरण में, अंतिम जन्म में, अंतिम जन्मों में से जो लास्ट पूर्व के जो जन्म हैं, उसमें कहाँ जन्म लेकरके के राज्य किया? झाँसी में। और वो झाँसी जो है वो कौनसे स्टेट में आता हैं? यू.पी. में। यू.पी. का जो मैप है वो कौनसे जानवर की तरह था पहले? शेर की तरह था। क्या? शेर के जो चित्र होता है उस चित्र के तरह यू.पी. का चित्र था, अभी नहीं हैं। अभी क्या है? अभी वो चित्र है गेंड़े की तरह। क्या? जैसे गेंड़ा होता है ना? तो गेंड़े की चमड़ी इतनी मोटी होती है कि उस पर कितनी भी मार पड़ती रहे लेकिन वो टस से मस नहीं होता। दूसरी आत्माएँ, दूसरे जो जानवर होते हैं वो विचलित हो जाते हैं क्योंकि चमड़ी पतली होती है और गेंड़ा विचलित नहीं होता। तो स्थूल मार की बात है या बातों की मार है? ये कंलकीधर का पार्ट है। क्या? बातों की मार से ढ़ेर के ढ़ेर कलंक लगते हैं लेकिन उन कलंको का उसके ऊपर कोई, कोई असर नहीं होता। ऐसा ये पार्ट अभी गेंड़े का है। पहले क्या पार्ट था? शेर का पार्ट था। उस शेर के पार्ट में पहले भी झाँसी पाँव थी। क्या? और अभी भी झाँसी क्या है? पाँव ही है। पहले 200 साल पहले उस पाँव में झाँसी की रानी का राज्य था। क्या? ये खासियत है।

Baba: The senior mother! OK, if it were some other soul? Look, where did the queen of Jhansi rule? During the phase of her last birth, in the last birth, in the birth just before the last births, where was she born and where did she rule? In Jhansi and that Jhansi comes in which state? In U.P. The map of U.P. was like which animal earlier? It was like a lion. What? The picture of U.P. was like the picture of a lion; it is not so now. What is it like now? Now that picture resembles a rhinoceros. What? For example, the Rhinoceros; its skin is so thick that even if it is beaten to any extent, it does not waver. Other souls, other animals waver (on being beaten) because their skin is thin and the rhinoceros does not waver. So, is it about being beaten in a physical sense or is it a beating of words? This is a part of *Kalankidhar* (the defamed one). What? He is defamed a lot through the beatings of words but he is not affected by those defamation. In this way, this part is now of a rhinoceros; what part was it earlier? It was a lion's part. In that part of lion, Jhansi was a leg earlier too. And even now what is Jhansi? It is a leg (in the map of U.P.). Earlier, 200 years ago, there was the rule of the Queen of Jhansi in that leg. What? It is the specialty.

और अभी वो, वो आत्मा कहाँ पहुँच गई है? अभी पाँव में है या सर में है? सर माथे पर है? अरे, सर माथे पर है। वैसे भी चंद्रमा को कहाँ दिखाते हैं? मस्तक पर दिखाते हैं। ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा की सोल जो गोरे में गोरा पार्ट बजाने वाली यादगार बनी हुई है श्याम फिर सुंदर; तो वो अंत में जो श्याम पार्ट बजाती है वो प्रैक्टिकल साकार शरीर होता है या आकारी होता है? प्रैक्टिकल साकार शरीर – उसी का गायन होता है। कौनसा शरीर है? प्रैक्टिकल साकार शरीर वह कौनसा है जो ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा की सोल वो पार्ट बजाती है? महाकाली। महाकाली के मस्तक पर भी चंद्रमा दिखाते हैं। वो तामसी स्टेज की यादगार है। उस महाकाली को शंकरजी अपने छाती पर सहन कर लेते हैं। कहाँ सहन करते हैं?
जिज्ञासु– छाती पर।
बाबा – हाँ, क्योंकि चंद्रमा सिरमौर है जब चंद्रमा सिरमौर है तो चंद्रमा जिसमें प्रवेश करेगा वो भी, वो भी सिरमौर है; तो शेर का सिरमौर कौनसा हुआ? कौनसा अंचल दिया है उसका नाम? उत्तरांचल। उत्तरांचल की राजधानी क्या है?
किसीने कहा– देहरादून।
बाबा– देह रहा दून। क्या? दून माना दुगुना, रा माना रहा, देह माना देहअभिमान। जिसको दो गुना देहअभिमान है। शेर में एक गुना होगा और देहरहादून में दो गुना देहभान। तो अंत

तक लड़ाई जारी रहेगी ब्राह्मणों की दुनिया में या खत्म हो जायेगी? अंत तक लड़ाई जारी रहेगी। प्रश्न क्या किया था?

And now, where has that soul reached now? Is it now in the leg or in the head, in the forehead? Arey? It is on the forehead. Anyway, where is the Moon shown? It is shown on the forehead. The soul of Brahma, the moon of knowledge, which plays the fairest role, [whose] memorial has been made: [First] *Shyam* (dark) and then *sundar* (fair). So, when it plays the dark role in the end, does it have a corporeal body in practical or a subtle body? The corporeal body in practical is itself praised. Which body is it? Which is that corporeal body in practical in which the soul of the Moon of knowledge Brahma plays that part. It is Mahakali. The moon is shown on the forehead of Mahakali as well. That is a memorial of the degraded stage. Shankarji tolerates that Mahakali on his chest. Where does he tolerate her?
Student: On his chest.
Baba: Yes, because the Moon is the *sirmaur* (crown); when the Moon is a *sirmaur*, so, the one in whom the moon will enter is also a *sirmaur*; so, who is the *sirmaur* of a lion? It has been named as which '*aanchal*' (area)? Uttaranchal (a state carved out by the division of U.P.). Which is the capital of Uttaranchal? *Deh rahaa doon* (Dehradoon). What? *Doon* means two times; *rahaa* means was; *deh* means body consciousness. The one who has twice the amount of body consciousness. The lion will have one time (body consciousness) and *Dehradoon* will have twice the amount of body consciousness. So, will the fight continue in the world of Brahmins till the end or will it end? The fight will continue till the end. What was the question you raised?

जिज्ञासु – झाँसी की रानी इस जन्म में कहाँ होगी?
बाबा – हाँ, आज से 200 साल पहले जो हिस्ट्री में प्रसिद्ध है माताओं के बीच में जो बहुत गायन योग्य पार्ट है "खूब लड़ी मरदानी वो तो झाँसी वाली रानी थी, बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी।" बुलंद राज्य था। वहाँ के रहने वालों का नाम है बुंदेले। बुंदेल खंड़। वही आत्मा फिर अंत में ब्राह्मणों की दुनिया में असुरों का संघार करने के लिए... वो असुर क्रिश्चियन धर्म के होंगे, इस्लाम धर्म के होंगे कि दूसरे धर्म से होंगे? कौनसी धर्म की आत्मायें होंगी? क्रिश्चियन धर्म की हो, इस्लाम धर्म की हो उन आत्माओं से टक्कर लेगी और आसुरी दुनिया का विनाश करेगी ब्राह्मणों की दुनिया के अंदर। उसका नाम जो है ये बच्ची बता रही है, बड़ी मम्मी। अब विचार करना है कौन हो सकता है?
जिज्ञासु – बड़ी माँ ही है।
बाबा – कन्फर्म कर रही है बड़ी माँ ही हो सकती है। कोई दूसरा नहीं हो सकता। औरों को विचार करने का मौका नहीं देंगे?

Student: Where will be the queen of Jhansi in this birth?
Baba: Yes, 200 years ago, a role among the mothers which is famous in the history, a part which is very much praiseworthy: "*Khoob lari mardani vo toh Jhansi vali rani thi, bundeley harbolon ke muh hamney suni kahani thi*' (she fought like men, she was the queen of Jhansi; we heard her story from the mouths of the residents of Bundel) It was a great kingdom. The residents of that place are called *Bundeley*. *Bundelkhand* (the land of the *Bundels*). The same soul … in the end… in order to destroy the demons in the world of Brahmins; will those demons belong to Christianity, Islam or any other religion? They will be souls of which religion? It will clash with the souls of Christianity, with the souls of Islam and will destroy the demonic world within the world of Brahmins. This daughter is telling her name to be the senior mother. Now you have to think as to who she is?

Student: It is the senior mother only.
Baba: She is confirming that it can be the senior mother only and none else. Will you not give a chance to others to think?

जिज्ञासु – गंगाधर राव?
बाबा – गंगाधर राव? गंगा धर, जिसने गंगा को धारण कर लिया। जिसने गंगा को धारण कर लिया उसका नाम हुआ गंगाधर। राव माना राजा। कैसा राव? कैसा राजा? जिसने गंगा को धारण कर लिया। यू.पी में कहते हैं धरौना। क्या? किसी की पहली पत्नी हो और फिर दूसरी पत्नी को भी बैठा ले तो उसको कहते है धरौना कर लिया माना गंगा को धारण कर लिया। तो झाँसी की रानी का पती कौन हुआ? गंगाधर राव। गंगाधर किसका नाम है भक्तिमार्ग में? शंकर का नाम है। उसने एक शादी की थी कि दो–चार शादियाँ की थी? (किसीने कहा– दो–चार) अच्छा, दो–चार की थी तो ड़बल ब्रेड़ खाने वाला हुआ या सिंगल ब्रेड़ खाने वाला हुआ? ड़बल ब्रेड़ खाने वाला हुआ। तो विदेशी हुआ या स्वदेशी हुआ? विदेशी हुआ। तो बाप इस समय क्या बन के आये हैं? बाप इस समय विदेशी बनके आये हैं।

Student: (What about) Gangadhar Rao?
Baba: Gangadhar Rao. *Ganga dhar*; the one who assimilated (bore) Ganga. The one who bore Ganga was named Gangadhar. Rao means king. What kind of Rao, what kind of a king? The one who bore Ganga. In U.P. they use a word – *dharauna*. What? If someone has a wife already and if he keeps another wife too; it is said that he has practiced *dharauna*. It means that he bore Ganga. So, who is the husband of the queen of Jhansi? Gangadhar Rao. Who is named as Gangadhar in the path of bhakti? It is a name of Shankar. Did he marry once or twice or four times? (Someone said: two-four.) OK! If he married two-four times, then is he the one who eats double bread or single bread? He is the one who eats double bread; so, is he a foreigner (*videshi*) or Indian (*swadeshi*)? He is a *videshi*. So, the Father come as what now? The Father has come as a *videshi* now.

समयः 38.36–43.27
जिज्ञासु – बाबा सिक्खों में पाँच प्यारों के समूह को खालसा बोलते हैं।
बाबा– पाँच जो प्यारे होते हैं उनको खालसा बोला। हाँ।
जिज्ञासु – और जो पाँच प्यारे थे उनको बाबा ने पाँच पाण्ड़व बताया।
बाबा – तो प्यारे नहीं थे पाँच पाण्ड़व ? भगवान के प्यारे नहीं थे?
जिज्ञासु – प्यारे थे।
बाबा – प्यारे ही थे। हाँ।
जिज्ञासु – और जो पाँच प्यारे थे वो गुरू गोविंद सिंह के लिए कुछ भी कर सकते थे।
बाबा – हाँ।
जिज्ञासु – ऐसे ही बाबा ने बताया है कि जो राम वाली आत्मा है ये पाँच पाण्ड़वों की पाँच ऊँगलियाँ हैं।
बाबा – ठीक है।

Time: 38.36-43.27
Student: Baba, the gathering of the *Panch Pyare* (five men selected by the last Sikh guru who were initiated as the first members of *Khalsa* , with five signs on their body, namely, comb, dagger, underwear, hair and bracelet) are called *Khalsa* (the Sikh order or brotherhood established by Guru Govind) by the Sikhs.
Baba: The *Paanch Pyare* have been named *Khalsa*. Yes.

Student: And the *Paanch Pyarey* have been described by Baba as the five Pandavas.
Baba: So, were the five Pandavas not dear *(pyare)*? Were they not dear to God?
Student: They were dear.
Baba: They were certainly dear. Yes.
Student: The *Paanch Pyaarey* could do anything for Guru Govind Singh.
Baba: Yes.
Student: Similarly Baba has said that the soul of Ram… the five Pandavas are his five fingers.
Student: It is correct.

जिज्ञासु – तो बाबा गुरू गोविंद सिंह का पार्ट रामवाली आत्मा का ही हुआ?
बाबा – ये कोई बात नहीं होती है। जैनियों ने हिंदू धर्म को नकल किया। तो जैनियों में जो भी पार्टधारी अच्छे–2 होंगे वो रामवाली आत्मा के ही होंगे क्या? अरे, एकाध का नाम हो सकता है। जैसे उन्होंने महावीर बता दिया। जैनियों में कितने तीर्थंकर? 24, 24 तीर्थंकर में आदि सो अंत। आदि है आदिदेव, वृषभदेव, आदिनाथ कहते हैं और अंत है महावीर; तो वो तो हो सकता है। अब कहें कि सारा ही उन्हीं का पार्ट है सो थोड़े ही हो सकता। ऐसे ही हिन्दुओं में, हिन्दुओं में से जैनियों ने भी नकल किया है। हिंदुओं के कितने अवतार? 24 अवतार। तो जैनियों ने कितने अवतार दिखा दिये? 24 अवतार दिखा दिये। हिंदुओं मे सृष्टि का जो पूरा कालचक्र है वो चार भागों में बांट दिया। सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलियुग। जैनियों ने सोचा हम भी अगर चार भागों में बांटेंगे तो कोई कहेगा नकल कर ली तो उन्होंने छह भागों में बांट दिया। क्या? जैनियों में पूरे कालचक्र को छह भागों में बांट दिया। तीन भागों को स्वर्ग साबित कर दिया। जैसे हिंदुओं में दो युगों को स्वर्ग समान और दो युगों को नर्क समान। ऐसे ही जैनियों ने तीन आरों को स्वर्ग साबित कर दिया और बाकी तीन आरे नर्क जैसे बनाए दिया।

Student: So, Baba, does the soul of Ram play the part of Guru Govind Singh?
Baba: This is not logical. The Jains copied Hinduism; so, will all the good parts among the Jains be played only by the soul of Ram? Arey, one or two may be his part. For example, they said Mahavir. How many *teerthankars* are [famous] among the Jains? Twenty four. Among the 24 *teerthankars*… as the beginning so the end. In the beginning it is Aadidev, Vrishabhdev, he is called Aadinath and in the end it is Mahavir. So, that is possible. Now if you say that all the parts are played by him; that is not possible. In this way, the Jains have copied the Hindus. How many incarnations are famous among Hindus? 24 incarnations. So, how many incarnations did the Jains show? They have shown 24 incarnations. Among the Hindus the entire *kaalchakra* (time cycle) was divided into four parts. The Golden Age, the Silver Age, the Copper Age, the Iron Age. The Jains thought, if we also divide [the time cycle] into four parts someone will say that we have copied it [from the Hindus], so they divided it into six parts. What? The Jains have divided the complete time cycle into six parts. They described three parts as heaven, just as the Hindus consider the two ages to be like heaven and the remaining two ages to be like hell. Similarly, Jains described three parts (*aaras*) as heaven and the remaining three parts… they told it to be hell.

तो सिक्खों ने भी ऐसे ही फॉलो किया है हिंदू धर्म को। हिंदुओं में दस अवतार मुख्य माने गये है। क्या? भगवान के कितने अवतार? दस अवतार। तो सिक्खों में भी कितने सद्गुरू माने गये? दस। दस गुरू माने गये। दस गुरूओं में किसका नाम बताया? गुरू गोविंद सिंह ने विशेष पार्ट बजाया। उन्होंने पाँच प्यारों का चयन किया, तो चयन करने से ये थोड़े ही

साबित हो जाता है कि वो राम वाली ही आत्मा हो सकती हैं। राम वाली आत्मा का जो पार्ट है वो धर्म स्थापन करने का नहीं है। राम वाली आत्मा का पार्ट क्या है और धर्मों में? धर्म स्थापन करने का पार्ट नहीं हैं बल्कि राज्य स्थापन करने का पार्ट है। तो सिक्खों में राजाई कौनसे गुरू के द्वारा, बाद शुरू हुई है? अरे, सिक्खों में राजाई चली कि नहीं चली, राजा हुआ कि नहीं कोई? सिक्खों के प्रसिद्ध राजा का नाम क्या है?
जिज्ञासु – राजा रणजीत सिंह।
बाबा – जब राजाई उनकी शुरू हुई उस समय या उससे पहले, ठीक पहले कौनसी गुरू का गद्दी चल रही थी? वो देखना है। एक–2 बात टैली होनी चाहिए, बिना टैली हुए अगर हम बोलेंगे तो वो झूठा साबित हो जायेगा।

So, similarly the Sikhs have also followed the Hindu religion. Ten incarnations are considered to be important among Hindus. What? How many are the incarnations of God? Ten incarnations. So, how many Sadgurus do the Sikhs believe in? Ten. [They believe in] ten gurus. Whose name did you mention among the ten gurus? Guru Gobind Singh played a special part. He selected the *Paanch Pyare*; so, just by making that selection it does not prove that he was the soul of Ram. The soul of Ram does not play the part of establishing a religion. What is the part that the soul of Ram plays in other religions? He does not play the part of establishing religions, but he plays the part of establishing kingdom. So, after which guru did kingship start among the Sikhs? Arey, was there kingship among the Sikhs or not? Was there any king or not? What is name of the famous king among the Sikhs?
Student: Raja Ranjit Singh.
Baba: When his kingship began or just before that which guru was in charge? That should be seen. Each and everything should be tallied. If we speak without tallying, it will be proved false.

समयः 44.31–45.51
जिज्ञासु – बाबा कृष्ण को मिट्टी खाते हुए दिखाते हैं भक्तिमार्ग में। कौनसी मिट्टी खाई?
बाबा – देहअभिमान की मिट्टी होती है, और कौनसी होती है? मिट्टी देहअभिमान की होती है या कोई और मिट्टी होती है? देहअभिमान की ही मिट्टी होती है। बचपन में खाता है या बड़े होके खाता है? बचपना है। बचपना माना बुद्धि बच्चा बुद्धि है। बुद्धि में बैठता नहीं है। क्या? गीता का भगवान कौन? सीधी सी बात बुद्धि में नहीं बैठती। इतनी बात पक्का है कि जो कृष्ण की आत्मा है वो अंतिम जन्म में दादा लेखराज मैं हूँ इतना पक्का है। लेकिन फिर ये नहीं बुद्धि में बैठता कि वो दादा लेखराज जो है वही गीता का भगवान है या नहीं हैं? साकार भगवान हुआ कि नहीं हुआ? हुआ? हैं? तो ये बात बुद्धि में नहीं बैठती। जब तक नहीं बैठती है तब तक बच्चा बुद्धि है या सगीर बुद्धि है? बच्चा बुद्धि है। जब तक बच्चा बुद्धि है तब तक मिट्टी, मिट्टी खाता हुआ दिखाया गया हैं।

Time: 44.31-45.51
Student: Baba, Krishna is shown to be eating mud in the path of *bhakti*. Which mud did he eat?
Baba: It is the mud of body consciousness; which other mud is it? Is there a mud of body consciousness or is there any other kind of mud? It is only the mud of body consciousness. Does he eat it in his childhood or after growing up? It is his childhood. Childhood means he has a child like intellect. It does not sit in the intellect… What? Who is the God of the Gita? Such a simple concept does not sit in his intellect. This subject is firm (in his intellect) that the soul of Krishna in its last birth is Dada Lekhraj, i.e. me. But it does not sit in his intellect

whether that Dada Lekhraj is himself the God of the Gita or not. Is he the corporeal God or not? Is he? Is he? So, this subject does not sit in his intellect. As long as it does not sit [in his intellect], does he have a child like intellect or a mature intellect? He has a child like intellect. As long as he has a child like intellect, he has been shown to be eating mud.

समयः 49.18–58.44
जिज्ञासु– बाबा, विंध्याचल पर्वत और महाकाली; वो एक ही पार्ट है या अलग–2?
बाबा– कौनसा?
जिज्ञासु– विंध्याचल से एक कहानी है ना कि वो इतना ऊँचा हो गया था कि सारी सृष्टि पर अंधेरा हो गया और महाकाली के पार्ट से भी अंधेरा हो जाता है।
बाबा– वहाँ नदी कौनसी बहती है? अरे, विंध्याचल पर्वत है, पहाड़ है तो पहाड़ से नदियाँ भी तो बहती है? कोई नदी बहती है कि नहीं? नर्मदा। नर भी है, मादा भी है। नरमादा है। महाभारत में कोई नर भी है, मादा भी है कोई ऐसा पार्ट है? शिखंडी। शिखंडी के लिए कहते हैं कि वो नर का भी पार्ट बजाता था और मादा का भी पार्ट बजाता था।

Time: 49.18-58.44
Student: Baba, the mountain Vindhyachal and Mahakali; are both the same part or are they different?
Baba: Which [part]?
Student: There is a story based on Vindhyachal, isn't there? That it had become so high that darkness spread over the entire world and darkness spreads due to Mahakali's part as well.
Baba: Which river flows there? Arey, Vindhaychal is a mountain. Rivers flow from mountains, don't they? Does some river flow or not? Narmada. [River Narmada] is both a male (*nar*) as well as a female (*mada*). It is *Narmaada*. Is there any part in Mahabharata who is a male as well as a female? It is Shikhandi. It is said for Shikhandi that he used to play the part of a male as well as a female.

जिज्ञासु – बाबा जैसे कि विंध्याचल इतना ऊँचा हो गया कि उसने ज्ञानसूर्य की रोशनी को ढ़क लिया।
बाबा – हाँ, यज्ञ के आदि में नहीं हुआ था? यज्ञ के आदि में जब सूर्यवंशी निकले तो सारे ही सूर्यवंशी खलास हो गये। हुए कि नहीं हुए?
जिज्ञासु – हुए।
बाबा – हिरोशिमा, नागासाकी के ऊपर विस्फोट हुए और जैसे कि चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा हो गया। ब्राह्मणों की दुनिया में भी हुआ। हीरों की शमा खलास। हनुमानजी ने क्या किया? हनुमानजी ने सूरज को हप कर लिया। शास्त्रों में कथा आई है कि नहीं? ये कथायें हैं कहाँ की? ब्राह्मणों की दुनिया की है। तो यज्ञ के आदि में कौनसा ऐसा टाईम हुआ था कि ज्ञानसूर्य उगा था कलकत्ता से, पूर्व दिशा से और हनुमान ने क्या किया? सूरज को हप कर लिया। कौन हुआ हनुमान?
जिज्ञासु– ब्रह्मा बाबा।
बाबा – ब्रह्मा बाबा। हप कर लिया था यज्ञ के आदि में कि नहीं? हप कर लिया। आपके सवाल का जवाब हुआ?
जिज्ञासु – हो गया।

Student: Baba, for example, Vindhyanchal (mountain) rose so high that it blocked the light of the Sun of knowledge.
Baba: Yes, did it not happen in the beginning of the *yagya*? In the beginning of the *yagya*, when the *Suryavanshis* (those who belong to the Sun dynasty) emerged, all the *Suryavanshis* perished. Did they perish or not?
Student: They did perish.
Baba: (Atomic) explosions took place in Hiroshima and Nagasaki and it was as if it became dark everywhere. It happened in the world of Brahmins also, the radiance (*shamaa*) of diamonds (*heeron*) perished. What did Hanuman*ji* do? Hanumanji gobbled up the Sun. Is this story in the scriptures or not? These stories pertain to which place? To the world of Brahmins. So, which was that time in the beginning of the *yagya* when the Sun of knowledge rose from Calcutta, from the East and what did Hanuman do? He gobbled up the Sun. Who is Hanuman?
Student: Brahma Baba.
Baba: Brahma Baba. Did he gobble up [the Sun] in the beginning of the *yagya* or not? He gobbled it up. Did you get the reply to your question?
Student: Yes.

बाबा – अधूरा हुआ या पूरा–2 हुआ?
जिज्ञासु– पूरा हुआ।
बाबा– क्या सवाल है? देखो अंधेरा हो गया। क्या सवाल था? विंध्याचल पर्वत पर, एक कहानी है कि विंध्याचल पहाड़ जो है वो अंहकार में आ गया। सुमेरू पर्वत से (किसीने कुछ कहा) हाँ, झगड़ा हुआ। सु माने सुंदर और मेरू माने?
जिज्ञासु ने कुछ कहा।
बाबा – नहीं। मेरू माने मणका। माला का मणका होता है ना? उसको क्या कहते हैं? मेरू। तो सुंदर मेरू तो सुमेरू ही है। वो कौन है? अरे, सुंदर मेरू, सुमेरू कौन है? अरे, कोई है कि नहीं माला में? रामवाली आत्मा। सुमेरू। उससे झगड़ा हो गया। सुमेरू ने कहा– मैं ऊँचा और विंध्याचल ने कहा– मैं ऊँचा। तो जो विंध्याचल है, विंध्य माने क्या? विंध्य शब्द है बींधना, फंसाए देना। बींधना माने फंसाए देना, फंस जाना। जो इतना अंधकार फैला दे दुनिया में कि सबकी बुद्धि फंस जाये। महाकाली का पार्ट चलेगा तो अच्छे–अच्छे ब्राह्मणों की बुद्धि फंसेगी या सुलझेगी? फंस जायेगी। अभी तो साधारण ब्रह्माकुमारियों का पार्ट चल रहा है ग्लानी करने का। क्या? वो साधारण ग्लानी कर रही हैं तो कितना विनाश हो रहा है सच्चाई का, और जब उनकी अम्मा निकलेगी, ब्रह्माकुमारियों की, चंद्रवंशियों की तो कितना भयंकर विनाश होगा। उसमें भी माया उससे हाथ मिलाए लेती है। किससे?
जिज्ञासु– प्रकृति से।
बाबा– माया हाथ मिलाती है फिर तो और ज्यादा भंयकर रूप धारण कर लेती है तो विंध्यात्वी कही जाती है।

Baba: Did you get an incomplete reply or a complete reply?
Student: Complete reply.
Baba: What is your question? Look, it has become dark☺ (the power went off). Yes, what was the question? There is a story based on the Vindhyachal mountain that the Vindhyachal Mountain became egotistic. He had a fight with the Sumeru Mountain. *Su* means beautiful and what is meant by *meru*?
Student said something.

Baba: No. *Meru* means a bead. There is a bead of a rosary, isn't there? What is it called? *Meru*. So, the beautiful bead is Sumeru only. Who is he? Arey, who is the beautiful bead, *sumeru*? Arey, is it someone in the rosary or not? Arey, the soul of Ram. Sumeru. He (Vindhyachal) had a fight with him. Sumeru said, I am taller and Vindhyachal said, I am taller. So, Vindhyaachal; what does *vindhya* mean? The word *Vindhya* means *beendhna*, to entangle[someone]. *beendhna* means to entangle[someone] or to become entangled. The one who spreads so much darkness in the world that everybody's intellect becomes entangled. When the part of Mahakali is played, will the intellect of the nice Brahmins be entangled or will it become free? It will become entangled. Now the ordinary Brahmakumaris are playing the part of defamation; what? So much destruction of truth is taking place when they are indulging in ordinary defamation. And when their mother emerges, when [the mother] of the Brahmakumaris, of the *Chandravanshis* (those who belong to the Moon dynasty) emerges, such a fierce destruction will take place. Moreover, Maya joins hands with her. With whom?
Student: With Nature.
Baba: When Maya joins hands with her she takes on a fiercer form; so she is called Vindhyatavi.

अतवी माने जंगल और वो पहाड़ भी है और वहाँ से एक नदी बहती है जो नर्मदा नाम से प्रसिद्ध है। और नदियाँ पश्चिम से, उत्तर पश्चिम से निकलती हैं और पूर्व की ओर बहती हैं और नर्मदा नदी? पूर्व से निकलती है और पश्चिम में अस्त होती है। उसके अस्त होने की जगह कौनसी है? भारत या जगत? जब पश्चिमी सभ्यता सारी दुनिया में फैल जाये उसे जगत कहा जाता है या भारत कहा जाता हैं? जगत। सीता कहाँ से निकलती है और कहाँ लोप हो जाती है? पृथ्वी से निकलती है और पृथ्वी में... (सभी ने कहा– समा जाती है।) ऐसे नहीं कहते भारत से निकलती है और भारत में समा जाती है। कहाँ से निकलती है? पृथ्वी। पृथ्वी माने सारा जगत। पृथव्याती। बहुत फैल जाती है। तो भारत वर्ष, वो तो पृथ्वी का रूप सिकुड़ गया और पृथ्वी नाम पड़ता है तो सारे ही देश, सारे ही धर्मखंड़ उसमें समा जाते हैं। तो समा जाती है पश्चिमी सभ्यता में। वहीं से आदि होता है और वहीं से अंत होता है। तो बोला है अतवी है, जंगल भी है और पहाड़ भी है और इतना अहंकार में आता है, इतना बड़ा बनता है जो बड़े होने की यादगार एक अवतार भी दिखाया गया है वो कौनसा अवतार हैं जो बढ़ते–3 बहुत बढ़ गया?
सभी – वामन अवतार।

Atavi means jungle and there is also that mountain and a river flows from there which is famous by the name Narmada. The other rivers emerge from the west, from the north-west and flow towards the east whereas the river Narmada emerges from the east and sets in the west. Which is the place of her setting? India or the world? When the western civilization spreads all over the world, is it called world or India? World. Where does Sita emerge from and where does she vanish? She emerges from the Earth and into the Earth… (Everyone said: she merges.) It is not said that she emerges from India and merges in India [itself]. Where does she emerge from? Earth; Earth means the entire world. *Prithvyati*. She spreads a lot. So, when we talk of the Indian subcontinent it is the shrunken form of Earth. And when it is named *Prithvi* (Earth), it includes all the countries, all the religious lands; so, she merges in the western civilization. It starts from there and ends there itself. So, it was said that it is *atavi* (jungle); it is a jungle as well as a mountain; and it becomes so egotistic, it becomes so big that an incarnation has been depicted in its memorial too; which is that incarnation which grew a lot while growing gradually?

Everyone: *Vaaman avatar*[1].

बाबा – नहीं। ये स्त्री की बात हो रही है। मछली। मत्स्यावतार। इतना बढ़ता–4 इतना बड़ा हो गया वो मच्छ्रा कि सागर में ही समाए सकता है और कहीं वो नहीं समाता। तो कौनसा पार्ट है? विंध्याचल। वो कौन हनुमान है जो सूर्य को अस्त कर देता है?
जिज्ञासु – ब्रह्मा बाबा।
बाबा – ब्रह्मा बाबा। अभी तो नहीं है ब्रह्मा बाबा। किसके द्वारा प्रख्यात होते हैं जो सारे ही दुनिया में अंधेरा ही अंधेरा हो जायेगा? जगदम्बा के द्वारा, महाकाली के रुप में प्रख्यात होंगे, तो अंधेरा ही अंधेरा हो जायेगा।

Baba: No. We are talking about a female. Fish. Incarnation (of God) as a fish (*matsyavatar*). That fish increased so much in size while increasing gradually that it can accommodate only in the ocean; it does not fit anywhere else. So, which part is it? Vindhyachal. Who is the Hanuman who sets the sun?
Student: Brahma Baba.
Baba: Brahma Baba. Brahma baba is not present now. Through whom does he become famous so that there will be darkness in the entire world? He will become famous through Jagdamba, in the form of Mahakali; then there will be nothing but darkness (everywhere).

ओम शान्ति

Om shanti.

…………………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

[1] Name of the fifth or dwarf incarnation of Vishnu.